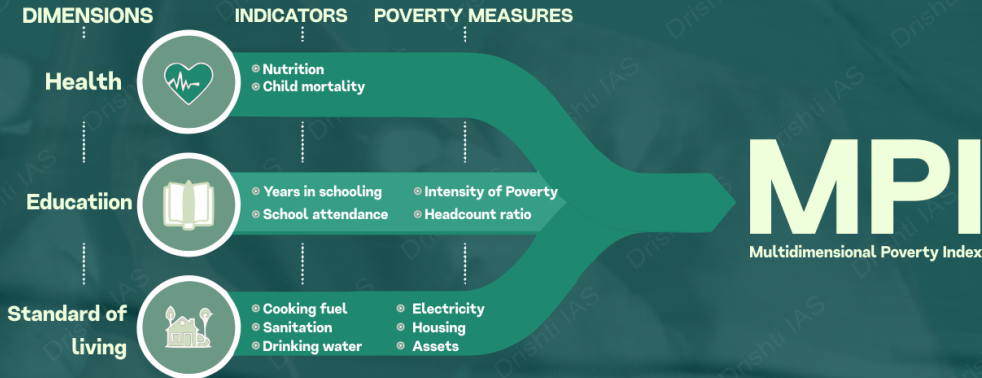


## वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2023

# वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) 2023

### सामान्य विवरण

- प्रकाशन :
  - वर्ष 2010
- कार्य:
  - गरीब लोगों द्वारा किये जाने वाले विभिन्न अभावों ( शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर में ) के बारे में बताता है ।
- स्कोर:
  - MPI स्कोर 0 से 1 के बीच होता है ( उच्च मूल्य = उच्च गरीबी )
- इसे जारी किया जाता है:
  - संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ( UNDP ) तथा ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल ( OPHI ) द्वारा
- बहुआयामी गरीबी:
  - वह व्यक्ति जो 10 संकेतकों में से  $>1/3$  ( $>33%$  ) से वंचित है
- चरम बहुआयामी गरीबी:
  - जहाँ व्यक्ति  $>50%$  संकेतकों से वंचित है



### MPI 2023

- वैश्विक परिदृश्य:
  - 1.1 अरब ( 110 देशों में रहने वाले 6.1 अरब लोगों में से ) लोग चरम बहुआयामी गरीबी से ग्रस्त हैं
  - उप-सहारा अफ्रीका और दक्षिण एशिया में हर 6 में से 5 व्यक्ति गरीब हैं
  - MPI-गरीब लोगों में से आधे ( 556 मिलियन ) 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चे हैं
- भारतीय परिदृश्य:
  - गरीबी का स्तर वर्ष 2005-06 में 55.1% से वर्ष 2019-21 में 16.4% हो गया है
  - तीनों आयामों में उल्लेखनीय प्रगति हुई
  - अभी भी  $>230$  मिलियन लोग गरीब हैं और 18.7% आबादी संवेदनशील है
- नीति आयोग ने भारत का राष्ट्रीय एमपीआई ( दूसरा संस्करण ) 2023 भी जारी किया
- इसे नवीनतम NFHS-5 ( 2019-21 ) के आधार पर तैयार किया गया है
- इसके अनुसार:
  - उत्तर प्रदेश - गरीब व्यक्तियों की संख्या में सबसे तीव्र गिरावट
  - बिहार - निरपेक्ष रूप से MPI में सबसे तीव्र कमी

संवेदनशील - वे लोग जो गरीब नहीं हैं लेकिन सभी भारत संकेतकों के 20-33.3% से वंचित हैं